



रजत कुमार गुप्ता

जो तुम हंसोगे तो दुनिया हंसेगी..

तु पूरा देश हंसेगा, वह उम्मीद बोमानी है। चुनाव की रीट आ रहा है और अपने पुणी आदत के माफिन।

अब अपने ज्ञारखंड में भी देख ले। हेमंत बाबू ईडी से दो दो हाथ करने को तैयार थे। उम्मीद थी कि अदालत से कोई राहत मिल जाएगी। नहीं मिली तो आगे चला होगा, यह देखने वाली बात होगी। सवाल उठ गया है कि आगे क्या करें? ऐसा कहा जाना है कि वार्किंग पृष्ठ पास हो गया है। अपर से जहां तक लोगों से मिलने पहुंच जाता है। अपर से चुनाव के टीके पहले यह ओर्डरी का मसला सर्वदर्द बनता जा रहा है। राहुल गांधी ने एक प्रेस कांफ्रेंस में मौजूद प्रकारों के बीच ही जब ओर्डरी, दलित और अदिवासी का सवाल उठा दिया तो बिना कुछ कहे ही सारा सच समझे आ गया और देश की एक बहुत बड़ी आवादी को यह बात समझ भी आ गयी। अब श्री राम मंदिर का उद्घाटन पुराने बैंक को कामयान पारियां या नहीं, यह देखने वाली बात होगी। पता नहीं क्यों मेरे को यह कंप्यूजन हो रहा है कि पर्टी के अंदर भी दो लोगों की चलती से नाजर लोगों ने भी अबकी बार पल्ला झाड़ रखा है। सारा चुनावी बोझ दो कंधों पर है लेकिन उनमें से एक कंध पहले ही कई चुनावों में नाकाम साबित हो चुका है। पता



संगीरा

भारत

का

मैं

